डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 284 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 28 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

जहरीली शराब के साथ पोस्तादाना भी जब्त, चारों आरोपी पहुंचे जैल

पिपलियामंडी, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने जहरीली शराब के साथ पोस्तादाना जब्त किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि महू नीमच राजमार्ग स्थित एक ढाबा से जवानसिंह पिता प्रतानसिंह निवासी पिपलियामंडी, धारासिंह पिता सोहनसिंह निवासी कचनारा फ्लेग, गोविंद पिता बालूराम निवासी ग्राम अम्बाव और राजेश पिता रमेशचंद्र निवासी बंड पिपलिया के पास से दो प्लास्टिक की थैली से पांच-पांच किलो पोस्तादाना और पांच-पांच लीटर जहरीली शराब जब्त की है, सभी को कोर्ट पेश किया, जहां से जैल भेजने के आदेश दिए गए हैं।

ग्राहकों को स्वाद देने के चक्कर में ताक पर मापदंड...

सरकार सख्त, अधिकारी सुस्त

स्वाद के साथ केमिकल जा रहा शरीर में, जिम्मेदार की बेपरवाही बरकरार

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने चौपाटियों पर बिकने वाले फास्ट फूड को लेकर सख्ती दिखाते हुए जांच की बात कहीं है तो मंदसौर में अधिकारी लंबे समय से इस मामले में सुस्ती खाए बैठे हैं। शाम ढलते ही सबसे अधिक फास्ट फूड की रेहड़ियों पर भीड़ लगती है। खासकर युवाओं और बच्चों में फास्ट फूड का क्रेज बहुत अधिक देखने को मिलता है। बर्गर, पावभाटी, पिज्जा, फ्रेंच, फ्राइज और चाउमीन के अलावा गोलगप्पे, टिकीया के ठेलों पर युवाओं और बच्चों की भीड़ सबसे ज्यादा होती है। फास्ट फूड के शौकीनों की पहली पसंद चाउमीन हैं, लेकिन फास्ट फूड में प्रयोग होने वाली कई केमिकल और सस्ती सामग्री सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। कभी जवाबदार अधिकारियों ने इस अे र झांककर नहीं देखा। आपको बता दे कि संजीत रोड, रेलवे स्टेशन रोड सहित कई जगहों पर फास्ट फूड की रेहड़ियां ठेले लगे हुए है।

खतरे से खाली नहीं सास– सास खतरे से खाली नहीं है। ठेले-रेहड़ी पर फास्ट फूड के साथ मिलने वाली सास पांच लीटर के कैन में आती है। इसका दाम भी ब्रांडेड कंपनियों के सास के मुकाबले बेहद कम होता है और 80 से 100 रुपये में यह कैन मिल जाती है। इसे रेहड़ी व ठेले वाले बोतल में डालकर रख देते हैं। फास्ट फूड खाने वाले इस सास को अपने हिसाब से डाल लेते हैं, जबकि यह नुकसानदेह है। वैसे तो फास्ट फूड शरीर के लिए घातक हैं, लेकिन इनमें डाली जाने वाली यह सास और भी खतरनाक है।

केमिकल का उपयोग– शहर में गली-नुक्कड़ में बिक रहे फास्ट फूड और दूसरे खाने पीने की चीजों में कई खतरनाक केमिकल्स का बेहिसाब इस्तेमाल हो रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहक इन ठेलों और दुकानों पर बिक रहे चाउमीन, पावभाजी, टिकिया, गोलगप्पे, चाउमीन, आमलेट सहित अन्य चीजों का जायका लेते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इन चीजों का जायका बढ़ाने और दिखने में आकर्षक बनाने के लिए केमिकल, रंग तथा घटिया मसाले डाले जाते है। एजिनोमोटो नामक पदार्थ का इस्तेमाल भी बेधड़क किया जा रहा है।

साफ सफाई का नहीं देते ध्यान– फास्ट फूड की दुकान और हाथठेलों पर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। दुकान व ठेलों पर खाने-पीने वाली सामग्री खुले में रखी जाती है। इससे मक्खियां खानी-पीने वाली सामग्री पर बैठ जाती हैं, डस्ट भी इसी सामग्री में मिल जाती है। इसके कारण यह फास्ट फूड दूषित हो जाता है।

बगैर लाईसेंस के संचालित दुकानें– शहर में संचालित हो रही अधिकांश फास्ट फूड की दुकान और हाथ ठेला संचालकों के पास फूड सेफ्टी विभाग द्वारा जारी लाइसेंस नहीं हैं। वहीं फूड सेफ्टी विभाग द्वारा भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

दूषित फास्ट-फूड खाने से यह होती है बीमारियां– चिकित्सकों के मुताबिक दूषित फास्ट फूड खाने से लोगों को हैपेटाइटिस, पीलिया, डिफेंट्री, आंतों में सूजन, डायरिया, उल्टी, बुखार सहित अन्य बीमारियां हो जाती हैं।

अब सरकार का ऐलान, कराएंगी जांच– इस ममाले में मध्यप्रदेश सरकार सतर्क हुई है। राज्य सरकार ने अब स्ट्रीट फूड की जांच कराने का फैसला लिया है। मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसका ऐलान किया। युवा पीढ़ी मोमोज, नूडल्स, पिज्ज़ा जैसे स्ट्रीट फूड की दीवानी है। चौपाटियों पर इन्हें खाने के लिए टूट पडते हैं पर उन्हें इस बात का जरा भी भान नहीं है कि इन खाद्य सामग्रियों में बेहद हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि स्वादिष्ट सास और चटनी में भी खतरनाक केमिकल मिला रहे हैं। बाजार में बिकने वाले ऐसे हानिकारक स्ट्रीट फूड की अब जांच कराई जाएगी। मध्यप्रदेश सरकार ने यह पहल की है। केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर में एक कार्यक्रम में यह बात बताई। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट फूड में हानिकारक केमिकल के इस्तेमाल से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। इतना ही नहीं, ये जीवन के लिए भी बेहद खतरनाक हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि देश के हर चौथे आदमी को शुगर हो रही है, हर दसवीं महिला ब्रेस्ट कैंसर का शिकार हो रही है। ऐसे फैक्ट डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में भी आ चुके हैं। स्ट्रीट फूड से सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए अब मध्यप्रदेश सरकार प्रयास करेगी। इसके लिए स्ट्रीट फूड की जांच की जाएगी। प्रदेश सरकार का खाद्य विभाग चौपाटियों पर मिलने वाले हर फूड आइटम की जांच करेगा। कैलाश विजयवर्गीय ने स्पष्ट रूप से कहा कि ये खाना नहीं है बल्कि गंभीर बीमारियों को आमंत्रण देने वाले तत्व हैं। उन्होंने खासतौर पर बच्चों को इनसे बचाने की जरूरत जताई।

कई जगहों पर इस तरह से होती मिलावट, यह होता नुकसान

पावभाजी– पावभाजी बनाने में कई तरह के मसाले डाले जाते हैं। खाद्य तेल में आर्गमोन की मिलावट की जाती है। काली मिर्च की जगह जंगली फली का इस्तेमाल किया जा रहा है।

नुकसान– आर्गमोन और जंगली फली से पॉइजनिंग हो जाती है। यह पेट के लिए काफी नुकसानदेय है।

टिकिया– बैकिंग सोडा की मिलावट होती है। सोडा में सोडियम कार्बोनेट होता है। यह गैस का कारण है।

नुकसान– लगातार खाने से लीवर संबंधी बीमारियां तथा एसिडिटी बढ़ जाती है। खराब मैदा से पेट में कब्ज रोग होता है।

गोलगप्पे– पानी में सोडा और सल्फर की मात्रा डाली जाती है।

नुकसान– अल्सर और लीवर कैंसर का खतरा रहता है।

आमलेट– खराब ब्रेड और तेल का उपयोग होता है।

नुकसान– पेट की बीमारियां होने का खतरा। फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

चाउमीन– चाउमीन को चटपटा और स्पाइसी बनाने के लिए एजिनोमोटो का जमकर उपयोग किया जाता है। मोनो सोडियम ग्लूकोनाइट, एजिनोमोटो एक सोडियम साल्ट है। खाने का स्वाद बढ़ाने वाला यह साल्ट धीमा जहर है। यह धीरे-धीरे हमारी स्वाद ग्रंथियों को दबा देता है। जीभ की स्वाद महसूस करने की क्षमता खत्म हो जाती है।

पुलिस ने की रातभर वर्जिश, भांती-भांती के आरोपी खोजे गए...

350 खाकी वर्दीधारियों ने पकड़े 175 आरोपी

कॉम्बिंग गश्त में अधिकारी-कर्मचारियों ने बहाया पसीना, सभी को कोर्ट पेश किया

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के 350 पुलिस अधिकारियों, पुलिसकर्मियों ने मिलकर संयुक्त रूप से कॉम्बिंग गशत अभियान चलाया। इसमें 89 स्थाई वारंटी, 83 गिरफ्तारी वारंटियों को नोटिस जारी किए गए। इस तरह से कुल 172 वारंट जारी किए गए थे। वहीं 3 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। सभी 175 आरोपियों को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया गया। कॉम्बिंग गशत जिले के सभी थानों व चौकी क्षेत्र में चलाई गई। इस दौरान अवैध शराब भी पकड़ी। थाना कोतवाली के द्वारा 02, 10 हजार रूपए के फरार ईनामी उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। थाना मल्हारगढ़ द्वारा अपराध एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे 5 हजार के ईनामी उद्घोषित आरोपी देवीसिंह पिता जुझारसिंह सौंधिया उम्र 45 वर्ष निवासी खांखरिया खेडी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

89 स्थायी वारंटी की धरपकड़– कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कुल 89 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किए गए। जिनमें थाना कोतवाली- 12, थाना यशोधर्मन नगर के - 10, थाना नई आबादी-03, थाना भावगढ़- 06, थाना दलौदा- 07, थाना नाहरगढ़-05, थाना अफजलपुर-05, थाना पिपलियामंडी-06, थाना नारायणगढ़-02, थाना मल्हारगढ़- 02, थाना सीतामऊ- 09, थाना सुवासरा- 09, थाना शामगढ़- 06, थाना गरोठ- 03, थाना भानपुरा-03, गांधीसागर- 03 द्वारा तामिल किया गया।

83 गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़– कांबिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा कुल 83 गिरफ्तारी वारंटियों की भी धरपकड़ की गई जो थाने अनुसार निम्न है- थाना कोतवाली - 11, थाना यशोधर्मन नगर- 07, थाना नई आबादी 04, थाना भावगढ़- 02, थाना दलौदा 03, थाना नाहरगढ़-05, थाना अफजलपुर- 01, थाना पिपलियामंडी 02, थाना नारायणगढ़-04, थाना मल्हारगढ़- 05, थाना सीतामऊ- 07, थाना सुवासरा - 08, थाना शामगढ़- 04, थाना गरोठ- 08, थाना भानपुरा-08, थाना गांधीसागर-04 के द्वारा कार्रवाई की गई।

34 शराब तस्कर भी पकड़ाए– कॉम्बिंग गशत के दौरान मंदसौर पुलिस के थाना नाहरगढ़ द्वारा थाना क्षेत्र के अडीबाजी, हफ्ता वसूली, मारपीट, गाली गलौज करने वाले आदतन फरार अपराधी दिलीप पिता चंपालाल सूर्यवंशी निवासी ग्राम रायसिंह पिपलिया जो कि आदतन अपराधी होकर वर्ष 2011 से क्षेत्र में सक्रिय चल रहा था, उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी पर पूर्व से 83/11,56/15, 62/18 एवं 172/20 धारा 294,323,506,34 एवं अपराध क्रमांक 264/24 धारा 119 (1), 126(2), 115(2),296, 351(2) बीएनएस का पंजीबद्ध है। कॉम्बिंग गशत के दौरान मंदसौर पुलिस के द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 33 प्रकरण पंजीबद्ध कर 34 आरोपियों से कुल 196.98 लीटर अवैध शराब जब्ती की कार्रवाई की गई है। कॉम्बिंग गशत के दौरान मंदसौर पुलिस के द्वारा जुआ सट्टा के 01 प्रकरणों में 01 आरोपियों के विरूद्ध भी कार्रवाई की गई। पुलिस के द्वारा धारा 170 बीएनएस के अंतर्गत 02 प्रकरणों में 03 आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस के द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत 101 प्रकरण में कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त कुल 17 जिलाबदर/गुंडा बदमाशों की भी चैकिंग की गई।

अफीम पट्टे दिलाने के नाम पर किसान का उजागरिया निवासी....

कथित नारकोटिक्स अधिकारी पर 8 लाख रुपए लेने का आरोप, टीआई कराएंगे जांच

पिपलियामंडी, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांव उजागरिया के व्यक्ति पर नारकोटिक्स अधिकारी बन अफीम पट्टे दिलाने के नाम पर 8 लाख रुपए लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति राजस्थान निकुंभ का है, जिससे पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के गांव उगारिया निवासी कथित नाकोटिक्स अधिकारी संजयसिंह चुण्डावत के खिलाफ निकुंभ के पिपलिया पुलिस चौकी में आवेदन दिया है। इधर संजयसिंह चुण्डावत ने लगाए आरोप को गलत बताया और कहा कि मैं मानहानि का दावा लगाऊंगा। वहीं टीआई नीरज सारवान का कहना है कि मामले की जांच कराएंगे। राजस्थान के निकुंभ निवासी राजू पिता श्रीलाल गुर्जर ने पिपलियामंडी पुलिस चौकी में आवेदन देकर बताया कि मेरी मुलाकात मेरे परिचित रानीखेड़ा (निम्बाहेड़ा) निवासी पूरणमल पूर्बिया से हुई, पूरणमल ने बताया कि किसी को अफीम पट्टे लेना हो तो मेरे नारकोटिक्स विभाग अधिकारी संजय चुण्डावत से मेरे अच्छे संबंध है। 4 लाख रुपए में एक पट्टा दिला दूंगा। मैंने पट्टे लेने के लिए हां कर दी, इसके बाद मुझसे 8 लाख रुपए दो पट्टे दिलाने के नाम पर लेकर पूरणमल ने मेरी मुलाकात पिपलियामंडी में हाईवे पर स्थित मीनाक्षी होटल पर संजय चुण्डावत से कराई, उसके साथ एक गनमेन था, संजय ने स्वयं को ग्वालियर का नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बताया व मोबाइल पर अन्य लोगों से बातचीत भी कराई। जिन्होंने संजय के अफीम अधिकारी होने की पुष्टि की। लेकिन बाद में पता चला कि संजय पिपलियामंडी पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव उजागरिया का निवासी है और अफीम अधिकारी नहीं है। काफी दिनों तक पट्टे नही दिलाए तो मैंने संजय से अपने रुपए वापस मांगे। काफी मशक्कत के बाद उसमें से 2 लाख 40 हजार रुपए मुझे फोन पे के .... शेष पेज 4 पर

महाउज्जैयिनी सफल: अनवरत बरसती रही इंद्रदेव की कृपा

शामगढ़ थाना क्षेत्र में तीन, सुवासरा में एक जगह रास्ता बंद हुआ, छायन में बुजुर्ग व्यक्ति बहा...

सामूहिक प्रार्थना का रहा असर, सुबह से रात्रि तक बरसे बदरवा

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के सवा दो लाख से ज्यादा लोगों ने दिल खोलकर महाउज्जैयिनी मनाने में भागीदारी निभाई थी, जो सफल रही है। इंद्रदेव ने भी अगले दिन सुबह से दिल खोलकर कृपा बरसाई। शनिवार को सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पाए। सुबह से बादलों ने आसमान को घेरे रखा। सुबह के बाद हुई बारिश अनवरत चलती रही। बीच में कुछ देर के लिए बारिश थमी, लेकिन इसके बाद रिमझिम और टिपटिप बरसा सावन जैसे गाने के अनुरूप बादल बरसते रहे। अनवरत बारिश रात्रि तक जारी रही। रात्रि नौ बजे बाद बारिश थमी थी। शनिवार को सुबह से रात्रि तक कुल अच्छी बारिश होने से न केवल किसानों के चेहरे खिल उठे हैं वरन् व्यापरियों ने भी हर्ष जाहिर किया है। उधर, शिवना नदी में पानी नहीं आया है। तेज बारिश नहीं होने की वजह से यह स्थिति रही। बरसात प्रतापगढ़ क्षेत्र में भी हुई है, लेकिन झमाझम और मूसलाधार बारिश नहीं होने के कारण शिवना केचमेंट एरिये में पानी की आवक नहीं हो पाई। उम्मीद रही थी कि रात्रि में अच्छा पानी बरसने से रविवार सुबह बाद शिवना में जल प्रवाह हो सके। इधर, नगर पालिका के जलकल अमले ने घाटों के ईर्द-गिर्द पानी खींचने के लिए जो पाईप लाईन लगाई थी, वह हटा ली गई।

शनिवार को इंद्रदेव की कृपा शहर सहित पूरे जिले में बनी रही। गांधीसागर, भानपुरा, गरोठ, शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, नाहरगढ़, दलौदा, भावगढ़, सहित नारायणगढ़ क्षेत्र में करीब-करीब एक समान बारिश होती रही। सभी क्षेत्रों में कभी रुक कर तो कभी रिमझिम बारिश होने के समाचार मिले हैं। बारिश की वजह से जिला व पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। हालांकि तेज बारिश नहीं होने की वजह से रास्ते ज्यादा जाम होने की स्थिति नहीं बनी, लेकिन शामगढ़ थाना क्षेत्र के तहत तीन जगहों पर पुलिया-नाले पर पानी आने की वजह से रास्ता बंद हुआ। शामगढ़ थाने के ही ग्राम छायन में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग नाले के पानी में बह गया, जो छायन निवासी शिव सिंह बताया गया है। एसडीआरएफ की टीम और पुलिसकर्मियों द्वारा उसे ढूंढने की कोशिश की जाती रही। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-मोटे पुल-पुलियाओं पर पानी की आवक होने से ऐसे छोटे रास्ते बंद हुए हैं। शामगढ़ में चंदवासा-मेलखेड़ा मार्ग पर पुलिया एवं शामगढ़ के छायन ग्राम स्थित रपट पर पानी ऊपर बहा है। यहां लोग आने-जाने की कोशिश करते रहे, इसके चलते सुरक्षा व्यवस्था यहां तैनात की गई।

महाउज्जैनियनी के पहले और अगले दिन मिलाकर तीन इंच बारिश दर्ज– महाउज्जैयिनी मंदसौर शहर में शुक्रवार को मनी थी। इसके पूर्व गुरुवार को दो घंटे जोरदार बरसात हुई, जो डेढ़ इंच नापी गई। शुक्रवार को बादल नहीं बरसे, लेकिन शनिवार सुबह से मेहरबानी रही। लगभग 48 घंटे के दौरान करीब तीन इंच बारिश होने का अनुमान है।

प्रार्थना रैली का रहा असर, सावन के सेरे शुरू हुए– बारिश की लंबी खेंच से परेशान और चिंतित मंदसौर वासियों ने शुक्रवार को महाउज्जैयिनी मनाई। प्रार्थना रैली भी.... शेष पेज 4 पर

क्षेत्रीय भ्रमण दौरान विधायक से कार्यकर्ता, नेताओं ने की शिकायत तो टीआई शाम को उनके निज निवास जा पहुंचे-सूत्र

दोनों विधानसभा के सक्रिय नेता तथा कार्यकर्ता टीआई से नाराज

राजू सोनी

नाहरगढ़, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाना दो विधानसभा के बीच का मुख्य थाना है। उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा की विधानसभा सैकड़ों नेता तथा कार्यकर्ता भी टीआई की कार्य प्रणाली से नाखुश हैं। वही पूर्व मंत्री तथा वर्तमान विधायक श्री हरदीप सिंह डंग की विधानसभा के कार्यकर्ता और नेता भी जबरदस्त नाराज हैं। यदि पुलिस स्टाफ बात करें सब दु:खी हैं. हमेशा की तरह नाहरगढ़ थाना सुर्खियों में रहता है। इसी बीच नाहरगढ़ टीआई श्री आरसी दांगी जब से नाहरगढ़ थाने की कमान संभाली है। तब से क्षेत्र में कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। ना ही उन्होंने किसी कार्रवाई को लेकर दिलचस्पी दिखाई, विगत दिनों जो घटना की भी जांच ठंडे बस्ते डाल दी गई, और मंगलसूत्र लुटेरे अभी तक फ़रार हैं। वहीं दो दिन पूर्व मंत्री तथा वर्तमान विधायक श्री हरदीप सिंह डंग अपने कार्यकर्ता शोक संवेदना व्यक्त करने आए थे। नाहरगढ़ नगर के नेता तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी हुई। इसी बीच नाहरगढ़ टीआई का विरोध विधायक के सम्मुख किया गया। कार्यकर्ताओं व नेताओं का कहना था कि कैसे टीआई को नाहरगढ़ की कमान दे रखी है। क्या हम भाजपा राज में हैं. या विपक्ष के, पार्टी की छवि धूमिल हो रही है। वही कार्यकर्ता और नेता जमकर आक्रोशित दिखे, उनकी नाराजगी देख, श्री हरदीप सिंह डंग ने कार्यकर्ता की उपस्थिति में अपनी डायरी में नाम नोट किया। टीआई आरसी दांगी को कानों कान इस बात की खबर लगी विधायक से शिकायत हो चुकी है. सूत्रों की माने तो जब तक विधायक श्री हरदीप सिंह डंग अपने निज निवास सुवासरा पहुंचे, वही आनन-फानन में पीछे पीछे टीआई उनके सम्मुख पहुंच गए। अब उस समय दोनों की क्या बातचीत हुई, स्थानीय नेता तथा कार्यकर्ता जानना चाहते हैं. कि आखिर दोनों बीच में क्या घोर घुला? कार्यकर्ता तथा नेताओ की नाराजगी से, अब देखना हैं कि क्षेत्रीय विधायक क्या एक्शन लेते हैं.?

बड़े अस्पताल की भौगोलिक कायापलट, अंदरूनी तौर पर होल बेहाल, छत से टपक रहा पानी...

15 लाख की शीट हुई बेकार, कई वार्डों में टपक रहा पानी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल का यूं तो भौगोलिक कायापलट करा दिया गया था, लेकिन अंदरूनी तौर पर गौर करें तो यहां के हाल बेहाल हैं। वर्तमान में बारिश का दौर है और बड़े अस्पताल के कई वार्डों में पानी टपकने की स्थिति बन रही है। मरीज व उनके परिजन परेशान हैं। बता दें कि कुछ वर्ष पूर्व अस्पताल प्रशासन ने करीब 15 लाख रूपए कीमती शीट खरीदी थी, दावा था कि छत से पानी नहीं टपकेगा। शीट को बड़े अस्पताल की छत पर अलग-अलग जगह चिपकाया गया। यानी जहां-जहां से पानी टपकने की स्थिति थी, वहीं शीट लगाई गई। पंद्रह लाख की यह शीट बेकार साबित होने लगी है। एक तरह से पांच-छह वर्ष में 15 लाख रूपए बरबाद हो गए हैं, ऐसा कहा जा सकता है। अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में भी छत से पानी रिसता तो है लेकिन, झरते भी नजर आया है।

यहां तक कि डेंगू वार्ड में भी छत से बारिश का पानी टपक रहा है। अस्पताल प्रशासन द्वारा कुछ समय के अंतराल में निर्माण कार्य कराया जाते रहे हैं। बारिश के पूर्व अस्पताल की मरम्मत के लिए एक बड़ी राशि खर्च करने की बात दोहराई जाती है। ऐसे में इस वर्ष यह मरम्मत की गई है या नहीं, इस पर भी परदा डला हुआ है। यही कारण है कि गुरुवार को और शनिवार को हुई बारिश के चलते बड़े अस्पताल के कई वार्डों में छतों से पानी टपकने की स्थिति बनती रही। मरीज भी परेशान रहे। कई जगह तो पलंग के आसपास भी पानी पहुंचने की स्थिति रही। मरीज के साथ आए परिजन भी पानी टपकने से परेशानी होते रहे। सबसे ज्यादा परेशानी रात्रि में रही। बारिश के पानी की वजह से मरीज के साथ आए परिजनों को सोने की जगह देखने में भी मशक्कत करना पड़ी है।

नागरसिंह चौहान से दलाल दोस्तों ने छीनवा दिया वन, पर्यावरण विभाग..!

उज्जैन/मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अलीराजपुर के विधायक नागर सिंह चौहान को मोहन यादव कैबिनेट में वन पर्यावरण और आदिम जाति कल्याण विभाग का मंत्री बनाया गया था। पूरे आदिवासियों के जिलों में रोबदार होने के कारण ही पत्नी अनीता चौहान को रतलाम झाबुआ से सांसद प्रत्याशी बनवाकर जीतवा भी लाए थे। इसी के बदले प्रदेश मंत्रिमंडल में नगर सिंह का कद बढ़ गया था। लोकसभा चुनाव के बाद सांसद पत्नी का पावर भी नागर सिंह चौहान को बेलगाम करने लगा था। मंत्रालय के गलियारों की चर्चा पर भरोसा करें तो व्यापम के समय पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के करीबी उत्तर प्रदेश के निवासी चुन्नू शर्मा और जावेद जैसे दलालों ने इनको घेर लिया। इनमें से एक का झाबुआ में खदान का ठेका पहले से है जो नागर सिंह चौहान के साथ भी पहले से ही जुड़े रहे हैं। प्रदेश में कैबिनेट मंत्री और सांसद पत्नी का पावर के साथ वन मंत्री नागर सिंह चौहान वन विभाग की बारीकियां भी इन्हीं दलालों से समझ रहे थे। इनकी मदद से ही कटनी के एक खनन ठेकेदार को धीमरखेड़ा तहसील के गांव झीन्ना और हरिया की 148 एकड़ भूमि खनन के लिए देने के आदेश कर दिए थे। जिस पर रोक लगाने राज्य सरकार की सर्वोच्च न्यायालय में लगी एसएलपी को वापस लेने के आदेश भी नागर सिंह चौहान ने कर दिए थे। इसी दिन विभाग के अतिरिक्त चीफ सेक्रेटरी जे एन कनसोटिया ने भी इस पर दस्तखत कर दिए थे। मामला संज्ञान में तब आया जब कटनी के डीएफओ गौरव शर्मा को इसमें वन विभाग को नुकसान पहुंचाने वाली डील नजर आई और उन्होंने जिला कलेक्टर कार्यालय में अपनी विभागीय आपत्ति दर्ज करा दी। प्रकरण में तत्काल ईमानदार अधिकारियों की तत्परता से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया गया। जहां से प्रकरण दिल्ली भेजा जाना तय हो गया था। इसी बीच नागर सिंह चौहान वन विभाग छीन जाने पर अपील करने दिल्ली भाजपा हाई कमान से मिलने पहुंचे थे। उनके खनन ठेकेदार मित्रों ने बताया कि कटनी खदान आवंटन को मुख्यमंत्री के आदेश पर रोक दिया गया है। तत्काल ही खनन ठेकेदार मित्र को दिल्ली छोड़ खुद बैरंग लौटे। 23 और 24 जुलाई की रात 12 बजे मुख्यमंत्री निवास पर शरणागत हो चुके थे।

चन्द्रमोहन भगत

इस बड़ी घटना के पहले भी विभागीय अधिकारी रणवीर सिंह जिन के नियम विरुद्ध कारनामों के कारण मंत्रालयों में चर्चा का विषय बने रहते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी नागर सिंह चौहान ने प्राइम पोस्ट पर तैनात रखने की हिम्मत दिखाई थी। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री तभी से नाराज थे। इधर दो कारणों से इन्हें बल मिला नागर सिंह से वन विभाग वापस लेने का, एक कांग्रेस से आए रामनिवास रावत को मंत्री बनाकर विभाग देना था, दूसरा कटनी के जिस खदान आवंटन को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय तक अपना लिखित आपत्ति भेज चुकी थी। उसे नागर सिंह चौहान ने सरकार और विभाग से पूछे बगैर वापस लेने के आदेश कर दिए थे। मंत्री खुद और सांसद पत्नी से इस्तीफा दिलाने की सार्वजनिक धौंस देने वाले नागर सिंह चौहान मुख्यमंत्री से मिलने के बाद अब अपनी चार दिन पहले की, जिसे वह अपनी बेइज्जती बता रहे थे, अब सम्मान मानकर सिर्फ आदिवासी कल्याण मंत्रालय से खुश हैं।

विचार-मंथन

कड़े कानून के बाद भी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपरलीक

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा? प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के मामले उजागर होने से स्वाभाविक ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर सवाल उठते हैं। खासकर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए की ओर से कराई जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में पर्चाफोड़ से देश के लाखों विद्यार्थियों के विश्वास को धक्का पहुंचा है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें चिंतित भी हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसकी अधिसूचना पिछले माह जारी की गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ पर अंकुश लगाने के लिए हाल में नया कानून बनाया है। अब बिहार सरकार ने भी प्रदेश लोक परीक्षा (पीई) अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 विधानसभा में पारित किया है। दरअसल, बिहार सरकार ने इसकी तात्कालिक जरूरत इसलिए समझी, क्योंकि नीट-यूजी पर्चाफोड़ मामले के तार वहां से भी जुड़े हैं। कुछ अन्य राज्य भी इस तरह का कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा? नीट-यूजी पर्चाफोड़ के मामले में केंद्र सरकार ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। नया कानून लागू करने के साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई है और कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। मगर, क्या ये कदम छात्रों और अभिभावकों की परेशानी दूर करने के लिए काफी हैं? यह कवायद मात्र रोग के लक्षणों का उपचार करना है। मूल समस्या कहीं अधिक गहरी है और इसकी जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कुशल प्रतिभाओं का चयन जरूरी है और यह तभी संभव होगा, जब इन परीक्षाओं की शुचिता कायम रखी जाएगी। हर महत्त्वपूर्ण संस्थान और एजंसी के कार्य तभी उत्तम स्तर के होंगे, जब सुयोग्य व्यक्तियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। साथ ही, परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने संबंधी कानूनों पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करना जरूरी है।

संविधान समानता का वादा करता है परन्तु क्या ऐसा है

जूलियो रिबैरो

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह अपने प्रयासों में उल्लेखनीय रूप से सफल रही। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा के बाद भाजपा को केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उम्मीद थी कि बहुसंख्यकों और मुख्य अल्पसंख्यक, मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने की रणनीति को कमजोर किया जाएगा। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। यह न केवल 'हमेशा की तरह चलने वाला काम' है, बल्कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली जगह, यानी उनकी आजीविका पर चोट करने की एक नई पहल यू.पी. और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में शुरू की गई है। यह सब मुजफ्फरनगर में पुलिस द्वारा सभी भोजनालयों पर उनके मालिकों का नाम प्रदर्शित करने के आदेश से शुरू हुआ, ताकि गंगोत्री और हरिद्वार की वार्षिक तीर्थयात्रा करने वाले शिवभक्त मुस्लिम स्वामित्व वाले भोजनालयों में खाने से होने वाले प्रदूषण से बच सकें। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस को लगा कि यदि तीर्थयात्रियों को विक्रेता का धर्म पता हो तो प्रदूषण से बचा जा सकता है! इन सभी वर्षों में यात्रा के दौरान गलतफहमी या तनाव की एक भी घटना नहीं हुई है। तो, अचानक घटनाओं में क्या बदलाव आया? योगी आदित्यनाथ की राज्य सरकार ने अगले ही दिन मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश का समर्थन किया और इसे यात्रा के मार्ग पर उत्तर प्रदेश के सभी पुलिस स्टेशनों तक बढ़ा दिया, जिससे पर्यवेक्षकों को यह महसूस होता है कि मूल विचार खुद सत्ता में मौजूद भाजपा सरकार से आया था। इसे तुरंत उत्तराखंड में धामी सरकार ने अपनाया,जहां हरिद्वार में कांवड़ यात्रा समाप्त होती है। मुस्लिम विक्रेताओं को अपने परिवारों के लिए संभवतः एक वर्ष या अगले वर्ष के अधिक भाग के लिए कमाई करने के अवसर से वंचित करने के लिए कोई उचित कारण नहीं बताया गया। यद्यपि कांवड़ियों की संख्या एक करोड़ तक पहुंच गई है, लेकिन इन सभी वर्षों में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि यात्रियों द्वारा चुना गया मार्ग घनी मुस्लिम बस्तियों से होकर गुजरता है। इसके विपरीत, मुसलमान कांवड़ियों की जरूरतों का ध्यान रखते हैं। सवाल यह उठता है कि क्या अब मुस्लिम-भेदभाव केवल पशु व्यापारियों की हत्या और 'लव जेहाद' तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब इसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों को उनके जीवन-यापन से वंचित करना है। आदित्यनाथ की भाजपा सरकार इस गलत कदम से आखिर क्या हासिल करना चाहती है? नियमित यात्री जो हर साल उसी मार्ग से यात्रा करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि विक्रेता स्थानीय मुस्लिम हैं। उनमें से अति रूढ़िवादी लोगों ने कई साल पहले ही गैर-हिंदू विक्रेताओं को अपने संरक्षण से बाहर कर दिया होगा। इस नई पहल को प्रचारित करना क्यों जरूरी था, जो सिर्फ समुदायों को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का काम करेगी? हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में भी धार्मिक आधार पर वोटों का चल रहा विभाजन योगी की पार्टी के लिए मददगार साबित नहीं हुआ। उन्होंने 2019 के पिछले चुनाव में जीती गई आधी से ज्यादा लोकसभा सीटें खो दीं। क्या उन्हें वाकई लगता है कि आर्थिक आधार पर ज्यादा विभाजन से उन्हें अपने हाईकमान की नजर में अपनी छवि को फिर से बनाने में मदद मिलेगी? उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों में सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं को विभाजित करने की रणनीति काम नहीं आई। मोदी और शाह की भाजपा सरकार ने सी.ए.ए. (नागरिकता संशोधन अधिनियम) पेश किया, जिसमें मुसलमानों को अधिनियम के इच्छित लाभों से वंचित रखा गया। लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय को भड़काने और अपने समर्थकों को यह समझाने के अलावा कि भारत में मुसलमानों का स्वागत नहीं है, यह अधिनियम क्यों जरूरी था? व्यक्तिगत रूप से, मुझे कांग्रेस शासन में एक भी ऐसा उदाहरण नहीं पता है, जहां पाकिस्तान, बंगलादेश या अफगानिस्तान से आए हिंदुओं को अनुरोध करने पर भारत में शरण और नागरिकता न दी गई हो।(अकेले असम में ही समस्या थी क्योंकि असमिया युवाओं को लगा कि बंगलादेशी हिंदुओं के साथ-साथ असम में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले मुसलमान स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित कर रहे हैं। इसलिए असम राज्य के लिए विशेष कानून बनाए गए। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का खोखला वादा अक्सर दोहराया जा रहा है, खास तौर पर अंतर्राष्ट्रीय उपभोग के लिए। भारत में हम सच्चाई जानते हैं। जब मुस्लिम व्यापारियों को यात्राओं और मेलों में अपनी पहचान का विज्ञापन करने के लिए मजबूर किया जाएगा है, तो सभी के लिए समान व्यवहार की मृगतृष्णा वहीं रहेगी। इस एन.डी.ए. सरकार में भाजपा का समर्थन करने वाले तीन दलों ने इसका विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट, जो महुआ मोइत्रा और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, ने संबंधित पक्षों की सुनवाई से पहले ही अपनी दुकानों और ठेलों पर मालिकों के नाम की अनिवार्य छपाई पर 'अंतरिम रोक' लगाकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

बजट ने सम्पत्ति मालिकों को मिलने वाला लाभ छीन लिया

बजट में मनमाना कट-ऑफ लागू करके संपत्ति मालिकों को मिलने वाला लाभ छीन लिया गया है, जिससे कई लोग अपनी किस्मत को कोसने पर मजबूर हो गए हैं। समय-वर्जित अनुमान एक बुरा विचार है। जिंदगी में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। मंगलवार के बजट के बाद कराधान में राहत पूंजीगत लाभ के लिए भारत की कर व्यवस्था में बदलाव को लें। जबकि निवेशकों के पास अब ऐसे नियम हैं जिन्हें याद रखना कुछ हद तक आसान है, परिसंपत्ति वर्गों में दरों में अधिक एकरूपता और उस समय सीमा के लिए धन्यवाद, जिसके बाद संपत्ति 'दीर्घकालिक' के रूप में रखी जाने योग्य होती है। सरकार ने बदले में एक पाउंड का मांस निकाला है। वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एल.टी.सी.जी.) कर दरों को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत और बाद में 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। लाभांश की तरह, आयकर स्लैब दरें कुछ वर्गों पर लागू होती हैं, लेकिन सामान्य बोझ बढ़ गया है। अब, चूंकि परिसंपत्ति मालिकों ने हाल के वर्षों में अपनी हिस्सेदारी के मूल्य में काफी वृद्धि देखी है, इस बढ़ोतरी को प्रगतिशील कराधान के आदर्श पर उचित ठहराया जा सकता है। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं, उन पर अधिक कर लगाया जाना चाहिए।

जिंदगी के रंगमंच पर नए किरदार में ढलने को तैयार, सफर की नहीं है कोई सीमा

विमल कुमार

गहन अंधकार से होकर ही तो प्रकाश की किरणें फूटती हैं जो हमारी चेतना का विस्तार करती हैं। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण में अपने नजरिए का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। सबके पास जीवन के उल्लास और दुख की अनगिनत कहानियां हैं। जिस वक्त हमें लगता है कि सामने वाला कितना बेहतर जीवन जी रहा है, उस वक्त शायद हमें यह नहीं पता होता कि वह जीवन की अनिश्चित यात्राओं की डगर पर संघर्षरत भी है। कोई ऐसा भी है जो जिंदगी के दर्द भरे दरिया को मुस्कराहट की नाव पर सवार होकर पार कर रहा है। हम दुनिया भर में फैली पीड़ा की अनंत कहानियों को नहीं देख पाते हैं। इसलिए हम सुख के समंदर में गोता लगाने के बजाय अनजाने में ही दुख की खेती करने लगते हैं, क्योंकि हम सबने अपने दुख को बड़ा और सुख को छोटा करके देखने की नजर विकसित कर ली है। जिंदगी का रंगमंच हर वक्त एक नई कहानी के साथ सजा हुआ है और हम सब एक नए किरदार में ढलने को तैयार हैं। मौत के आगोश में जाने से पहले जिंदगी हमारा पीछा करती रहती है। जिंदगी का हासिल तय नहीं होता। यहां सब कुछ पाना भी कई बार सब कुछ खोने जैसा होता है। हम सब जिंदगी के अलग-अलग रंगों के बीच से गुजरते हुए एक दिन अचानक से जिंदगी को अलविदा कह देते हैं। यह 'अचानक' शायद हमारा अपना विशेषण या नजरिया है, लेकिन तटस्थ होकर देखें तो हमारी यही नियति है जो निश्चित है। इसके अतिरिक्त सब कुछ अनिश्चित। आहिस्ता-आहिस्ता चल रही जिंदगी को एक दिन अचानक ही राह चलते ठोकर लगती है और हम बैठ जाते हैं। इस तरह की चोट महज एक प्रतीक है। इसी बहाने हमें लगी असंख्य चोटों की स्मृतियां जेहन में ताजा हो जाती हैं। जिंदगी आखिर एक ख्वाब ही है और अधूरापन इसकी नियति है! ऐसे ही अचानक से राह चलते एक ख्वाब याद आता है, जिसके अधूरेपन को हम रफ्ता-रफ्ता भरने की कोशिश में अब तक जुटे थे। अचानक से अधूरे ख्वाब की स्मृतियां दिलोदिमाग पर एक शोर बनती चली जाती हैं और हम इस शोर को बाहरी दुनिया के शोर से दबाने की कोशिश करने लगते हैं। तब तक पता चलता है कि अंदर का शोर बाहर के शोर से कई गुना ज्यादा है। आखिर बाहरी अनगिनत आवरण में घिरा इंसान इस शोर पर कैसे काबू पाए? इस दुनिया में आखिर ऐसा भरोसेमंद कंधा कहां, जिस पर सिर रख कर रो ले। ऐसी बाहें कहां, जो किसी गम को अपने आगोश का आश्वासन दे पाएं! इंसान मूल रूप से बेहद कमजोर है। इतना कि दो सांसों के बीच का क्रम टूट जाए तो जिंदगी एक कमजोर माला की तरह टूट कर मौत के रूप में बिखर जाती है, लेकिन अब इसे आखिर बताए कौन? इसीलिए मौत दबे पांव आती है और जिंदगी का भरोसा तोड़ती रहती है! कभी-कभी लगता है कि चीजें कितनी बिखर गई हैं। जीवन का कतरा-कतरा बिखरता जा रहा है। एक छोर पकड़ने की कोशिश में दूसरा छूट जाता है। सामने दो ही विकल्प नजर आते हैं। बिखरी चीजों को समेटने की कोशिश की जाए या इस बिखराव को ही नियति मान कर जीते चले जाएं। आखिर बिखराव का भी तो अपना सौंदर्य है! समेटने में फिर से बिखरने का भय है, बिखराव भयमुक्त है! जीवन एक यात्रा है। इसको बस यात्रा की भांति ही लेना चाहिए। यात्रा की शुरुआत जन्म से हो गई है, मौत अंतिम पड़ाव है। इस अंतिम पड़ाव से पहले ढेर सारे छोटे-छोटे पड़ाव हैं- रिश्ते नाते, घर-परिवार, दोस्ती-यारी, शोहरत, सफलता, संपत्ति, चकाचौंध, विफलता, अंधेरे, अकेलापन। ऐसे ही अनगिनत पड़ाव, जहां आंशिक ठहराव जरूरी है। जिंदगी में लोग आएंगे और जाएंगे, मिलेंगे और बिछड़ जाएंगे। सबका अनुभव इसी यात्रा का हासिल है। इस छोटे-से काल को जी भर, मन से जी लेना चाहिए, ताकि कुछ भी उधार न रहे जिंदगी की दुकान में! खुद को हर परिस्थिति के लिए तैयार भी रखना चाहिए। हम छले जाएंगे, तिरस्कृत होंगे, भुला दिए जाएंगे, आलोचना होगी, लोग हंसेंगे हम पर, हम लड़खड़ाएंगे, गिरेंगे, टूटेंगे, बिखरेंगे, रोएंगे। फिर खुद ही संभलना और चलना होगा, हांफते हुए दौड़ना होगा, हंसना-मुस्कुराना भी होगा। गलतियां भी होंगी, जो कि इस यात्रा का अहम हिस्सा हैं।

गठबंधन धर्म निभाते हुए अमृतकाल के संजोए सपने को पूरा करेगा आम बजट 2024

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब 23 जुलाई मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया तो किसी को अमृतकाल और विकसित भारत की आहट मिली, तो किसी को वही रटी रटाई पश्चाताप जो पिछले 10 सालों से होती आई है और अगले 15 सालों तक रहने वाली है, यदि इस बीच गठबंधन की गांठ नहीं खुली तो। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बजट को अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट बताया और कहा कि यह अगले पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2047 तक विकसित भारत की आधारशिला रखेगा। लेकिन उनकी बातों में, बजट अभिभाषण में, और बजट प्रस्तावों में मीन मेख निकालने वाले नेताओं की कमी नहीं दिखी। बावजूद इसके केंद्रीय बजट 2024 एक संतुलित बजट है, क्योंकि इसमें महिलाओं, युवाओं, गरीबों, किसानों के हित को सामने रखकर विभिन्न आवश्यक व लोकहितकारी घोषणाएं की गई हैं। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी के अमृत काल वाले विकसित भारत के संकल्प की प्रतिबद्धता को दोहराता हुआ बजट है। जिससे पूरी उम्मीद है कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के मिशन को पूरा करेगा। वहीं, इस केंद्रीय बजट में क्षेत्रीय असंतुलन को संतुलन में लाने की कोशिश की गई है, जो आगे भी जारी रखी जायेगी, ऐसे संकेत मिले हैं। क्योंकि देश के कुछ पिछड़े क्षेत्र हैं जिन्हें पिछली सरकारों ने नजरअंदाज किया है, इसलिए विकास की गंगा वहां तक पहुंचाना समावेशी विकास की सबसे बड़ी जरूरत है। शायद इसी नजरिए से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए की गई विभिन्न घोषणाओं से पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस लिहाज से बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है। केंद्रीय बजट में एक तरफ आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की घोषणा की गई, जो अच्छी बात है। तो दूसरी तरफ बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया है। ऐसा करके वित्त मंत्री ने अपने दोनों गठबंधन साथियों टीडीपी और जदयू को साधने की पहल की है, जो समझदारी भरा कदम है। इन दोनों राज्यों के आर्थिक हितों का ख्याल रखने से एनडीए सरकार पांच सालों तक चलती रहेगी और आगे के भी चुनावों में उम्दा प्रदर्शन करती रहेगी। इस आम बजट को युवाओं और महिलाओं के सपनों का बजट भी करार दिया गया है। क्योंकि इनके दृष्टिगत कौशल विकास और रोजगार सृजन की जो घोषणाएं हुई हैं, वह ऐतिहासिक हैं। इस प्रकार इस बजट में पीएम मोदी का विकसित भारत का सपना पूरी तरह से झलकता है। वहीं, अगर विपक्ष ने इस बजट की आलोचना की है तो इसका मतलब यह भी लगाया जा रहा है कि बजट अच्छा है, क्योंकि आलोचना करना तो उनका विपक्ष धर्म है। जिसका निर्वहन करने के लिए भी यह सरकार पूरे मौके देती है। इस बारे में एक तरफ सत्ताधारी टीडीपी कहती है कि वाईएसआर कांग्रेस के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दिल्ली जाकर राज्य की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के विकास और कल्याण को लेकर वित्तीय सहायता के लिए दो बार दिल्ली गए और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए 15000 करोड़ का विशेष पैकेज लेकर आए।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5309

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5308

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5309

संकेत: बाएं से दाएं

1. 21 अप्रैल 1977 को मेजर जनरल जियाउर्रहमान इस देश के राष्ट्रपति नियुक्त हुए (4)
4. आश्रय, शरण लेने की जगह, परित्राण (3)
6. भयजनक, खतरे से पूर्ण (5)
8. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
10. दुर्भाव, द्वेष, बैर (2)
13. जिसकी कोई सीमा न हो, असीम, बेहद,बेहिसाब (3)
14. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
16. निषिद्ध करना, वर्जित करना (5)
18. वर्षा के जल को यह भी कहते हैं (2)
20. नेत्र, आंख, नयन (2)
21. [illegible] (4)
22. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश की राजधानी अक्रा है (2)

ऊपर से नीचे

1. इस वाद्य का आविष्कार [illegible] ने किया था [illegible] इस वाद्य का पहला ग्रंथ आज उपलब्ध नहीं है (3)
2. अवलोकन करना, निहारना, निरीक्षण करना (3)
3. सौ की पूर्ण संख्या, सौ का सूचक अंक (2)
4. कच्चे आम या इमली का बना खट्टा-मीठा पदार्थ (2)
5. [illegible] (6)
7. सूजी, कण (2)
9. [illegible] किसी की ओर बढ़ना (4)
11. किसी व्यक्ति, प्राणी आदि का बोधक सूचक शब्द, ख्याति, शोहरत (2)
12. [illegible] किनारा, लटकने वाला हाशिया (3)
14. [illegible] फिल्म पुष्पक की नायिका (1987)(3)
15. क से ह तक की वर्णमाला (4)
17. [illegible] करना, संगीत के सुरताल से अंगों को संचालित करना (3)
19. [illegible] देश की राजधानी (2)

वर्ग पहेली 5308 का हल

औ	स्ट्रे	लि	या	■	सा	हि	त
स्क	■	प	त	नी	य	■	क्ष
र	प	ट	गा	■	सा	त	■
■	दा	ना	■	उ	बा	ल	ना
ता	ष	■	न	■	जो	■	र
म	न	भा	व	न	■	था	ली
स	त	■	नी	म	न	■	■
■	■	द	त	न	■	■	मी

जीवन उद्धार के लिए साधु संतों की संगति करें - स्वामी सरस्वती

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास पूज्यपाद 1008 स्वामी आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ऋषिकेश के सानिध्य में प्रारंभ हो चुका है। स्वामी जी द्वारा प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10 बजे तक श्रीमद् भागवद् महापुराण के एकादश स्कन्द का का वाचन किया जा रहा है।

शनिवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए स्वामी श्री आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ने बताया कि गुरू के पास जाओं तो पहले उनकी बात सुनों वो क्या कहते फिर अपनी बात कहों। आपने कहा कि गुरू से पहले जीवन में प्रसन्न्ता के गुण सीखों और सत्संगी कैसे बने इस पर अध्ययन करो। जीवन में उद्धार के लिए साधु संतों की संगति करो, सत्संग में जाओं महात्माओं के प्रवचन सुनों इससे जीवन में सफलता मिलती है। स्वामी जी ने बताया कि अच्छे लोगों की संगति में रहो दुराचारी से दूर रहो। दुखी व्यक्ति को देखकर मन दयाभावना आना चाहिए, सुखी व्यक्ति को देखकर मित्रता करना चाहिए ना कि उससे जलन भाव रखना चाहिए। क्योंकि जो सुखी है उसे उसके कर्मो का फल मिल रहा है जो उसने कभी किये होगे इसलिए किसी से भी जलन भावना नहीं रखना चाहिए। अपनो से बडों के प्रति विनम्रता, आदर का भाव रखना चाहिए, क्योंकि बडों के साथ रहेगे तो ही हममें आदर सम्मान की भावना आ पायेंगी। बुजुर्गो की सेवा करना चाहिए उनके पास बैठकर बातचीत करना चाहिए क्योंकि बुजुर्ग बहुत अनुभवी होते है।

मन को पवित्र रखें–स्वामी जी ने बताया कि भागवत पुराण के अनुसार हमें पवित्र रहना चाहिए। अब बाहर से तो सभी पवित्र रहते है और रोज स्नान आदि करते है। लेकिन हमें अंदर से पवित्र होना है अपने मन को पवित्र रखना है। मन को शुद्ध करों मन में किसी भी प्रकार की लालच मोह गलत भावना मत रखों और इसे प्रभु भक्ति में लगाओं। आपने कहा कि हमें त्याग और तपस्या अवष्य करना चाहिए इससे सहनशक्ति बढती है और जीवन में क्लैष दूर होते है। कार्यक्रम के अंत में भगवान की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर स्वामी प्रभासमुनि हरिद्वार ,जगदीशचन्द्र सेठिया, कारूलाल सोनी, शंकरलाल सोनी, रामचंद्र कोकन्दा, बाल किशन चैधरी, हरवंष रॉय गौड, घनष्याम भावसार, डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता, आर सी पंवार, इंजी आर सी पाण्डे ,पं शिवनारायण शर्मा, घनश्याम भावसार, भगवतीलाल पिलौदिया, महेष गेहलोद सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज में आत्म हत्या के प्रति जन जागरूकता एवं रोकथाम के लिए हुई कार्यशाला

नीमच, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नीमच में आत्महत्या जैसे गंभीर विषय पर सी.एम.ई.का विगत बुधवार को आयोजन किया गया और आत्महत्या के प्रति जागरूकता और उसकी रोकथाम हेतु माँ नामक हेल्पलाइन शुरू की गई। उक्त सी.एम.ई. में चिकित्सा विभाग एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों और नर्सिंग आफिसर ने भाग लिया। विभाग के अध्यक्ष डॉ.कृष्णकुमार कारपेंटर द्वारा आत्महत्या के प्रति जागरूकता और उसकी रोकथाम पर विस्तार से जानकारी दी गई।

उक्त सी.एम.ई.में चिकित्सा महाविद्यालय के डीन, समस्त फैकल्टी, डॉक्टर्स,नर्स,पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य लोग शामिल हुए । इस सी.एम.ई.का मुख्य उद्देश्य समाज में बड रही आत्महत्या की घटनाओं को रोकना तथा आत्महत्या से पहले होने वाले चिन्हो को समझना था, जिससे हम समाज में मानसिक रोगों से जुड़ी हुई भ्रांतियों को दूर करके, किसी भी मानसिक रोग के आरंभिक लक्षणों को समझ कर, हम नित्य प्रति होने वाली आत्महत्या की घटनाओं को रोक सकते है। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर का जारी किया गया है। जिसके नोडल ऑफिसर डॉ.कृष्ण कुमार कारपेंटर मनोरोग विशेषज्ञ होंगे। हेल्पलाइन नंबर 6263604778 पर काल कर कोई भी आमजन को किसी भी प्रकार की समस्या है या बार-बार आत्महत्या के विचार आते है, तो वे प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम को 8 बजे तक बात कर सकते है। इस हेल्पलाईन पर डा.कारपेंटर स्वयं ही फोन अटेंड करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डा.अरविन्द घनघोरिया ने बताया कि इस प्रकार की हेल्पलाईन जिला स्तर पर प्रदाय करने वाला नीमच पहला जिला होगा। डा.घनघोरिया ने सभी स्टाफॅ एवं आमजन को इस हेल्पलाईन का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार की अपील की है।

चिन्हांकित निजी नर्सिंग होम में होगी नि:शुल्क सोनोग्राफी

सीएमएचओ ने सोनोग्राफी संचालको की बैठक कर योजना बनाई, 29 जुलाई को मॉक ड्रिल, तो 9 अगस्त से प्रदाय की जावेगी सेवाएं

नीमच, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासन से प्राप्त निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले की गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी निजी संस्थाओं में की जा सकेगी। इस संबंध में राज्य स्तर से निर्देश प्राप्त हो चुके है। इस कार्य हेतु निजी नर्सिंग होम से सहमति प्राप्त की गई थी। जिले के चार निजी नर्सिंग होम द्वारा इसके नियेे सहमति प्रदाय की गई।

उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि ज्ञानोदय मल्टीस्पेशिलिटी हास्पिटल, बाबा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, श्रीजी नर्सिंग होम, श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल द्वारा सहमति प्रदाय की गई है। उक्त नर्सिंग होम के संचालक के साथ विगत दिवस जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा.आर.के.खघोत एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक बैठक कायोजित कर कार्ययोजना तैयार की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गये। बैठक के दौरान खघोत ने प्रतिनिधियों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। उल्लेखनीय है, कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत जिले के प्रसव केन्द्रों पर स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भवती महिलाओं की जॉच प्रति माह की 9 और 25 तारीख को की जाती है। इस जॉच के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह पर गर्भवती महिला की सोनोग्राफी करना होती है, किन्तु जिले मे एक मात्र सोनोलॉजिस्ट होने से महिलाओ को परेशान होना पडता था। इस योजना के प्रारंभ होने पर गर्भवती महिला की सोनोग्राफी आसानी से हो पाएगी। इस योजना के तहत सोनोग्राफी करने पर निजी चिन्हांकित अस्पताल को 500 रू प्रति हितग्राही प्रदाय किये जाएंगे। इस योजना की मॉक ड्रिल 29 जुलाई को जिला चिकित्सालय से की जावेगी तथा 9 अगस्त को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री डा.राजेन्द्र शुक्ल करेंगे।

पर्यावरण को बचाने के लिए हम हरसंभव प्रयास करें-प्राचार्य

महारानी लक्ष्मीबाई उमावि मंदसौर में इको क्लब द्वारा मिशन लाईफ डे मनाया

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ईको क्लब के अंतर्गत आज मिशनलाइफडे केअंतर्गत एकपेड मॉ के नाम योजना के तहत संस्था के प्राचार्य के.सी. सोलंकी द्वारा छात्राओं को शपथ दिलाई गई। संस्था के प्राचार्य के.सी. सोलंकी द्वारा छात्राओं को शपथ दिलाई गई। संस्था के स्टॉफ में हामीद खान जैदी, गणेशराम आर्य, राजेश रत्नावत, अनिल दाहिमा, कुंदन साखंला, जया सोनी, रचना आर्य, गोपाल सुनार्थी, चेतनदास गनछेड, जयंत तारे, दशरथ दानगढ, गिरवरलाल माली आदि शपथ के दौरान उपस्थित थे।

प्राचार्य श्री सौलंकी ने पेड़ों के महत्व को बताते हुए कहा कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिये जहां भी खाली जगह मिलती है वहां फलदार पौधे अवश्य लगाकर उसकी प्रति दिवस सुरक्षा कर समय-समय पर पानी देकर पेड़ बनावे तथा उसके बचाव के लिये हर संभव प्रयास करें। साथ ही यह भी कहा कि हमें प्रकृति के संतुलन के लिये स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार, दोस्तों आदि को भी पर्यावरण को बचाने हेतु पौधे लगाने के लिये प्रेरित जरूर करें। इको क्लब प्रभारी श्रीमती जया सोनी ने कहा कि पेड़ पौधों से वायुमण्डल में पर्याप्त ऑक्सीजन होती है तथा पेड़ों की ही वजह से जड़े जल को पृथ्वी की गहराई में नहीं जाने देती है। हामीद खान जैदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जितने अधिक पेड़ होंगे उतना अधिक मानव जाति को लाभ होगा क्योंकि वनों से ही वर्षा होती है। छात्राएं सीडबॉल का उपयोग कर पेड़ों की संख्या में वृद्धि करें। कार्यक्रम का संचालन कुंदन सांखला ने किया तथा अंत में आभार मानते हुए चेतनदास गनछेड ने कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीजन तो देते ही है साथ ही हमें फल-फूल, औषधियां देकर हमारे जीवन को खुशहाल रखते है तथा वातावरण को शुद्ध रखते है।

सीईओ ने अंकुर उपवनों का निरीक्षण किया

नीमच, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अंकुर उपवन में ग्राम पंचायत स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। अंकुर उपवन में प्रकृति की सेवा और माँ के प्रति सम्मान का भाव है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने 27 जुलाई को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायत बरडिया जागीर, पिपलियारावजी, मालखेडा, जमुनिया, पड़दा, भेरपुरा, रावतपुरा में ग्राम पंचायत द्वारा तैयार किए गए अंकुर उपवनों का निरीक्षण किया। सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने निर्देश दिए, कि जिले में इस अभियान को जन-अभियान बनाएं। जिसमें पौध-रोपण ज्यादा से ज्यादा हो इसके लिए हम सबको संकल्पित होना चाहिए, इस अभियान में सभी को सहभागिता करनी चाहिए। जिले में इस अभियान मे सहभागिता करने वालों की जिला पंचायत सीईओ ने सराहना की तथा कहा, कि इस अभियान में अधिक से अधिक युवा पीढ़ी को जोड़ें। उनके मन में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के भाव जागृत करें। उन्होंने सभी से अपील की है, कि एक पेड़ मां के नाम के अभियान का संकल्प हर व्यक्ति ले और लक्ष्य तक पहुंचाए। सभी एक पेड़ अपने मां के नाम से जरूर लगाएं।

मप्र मदरसा बोर्ड के परीक्षा पत्र ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा सत्र 2024 के लिये परीक्षा आवेदन पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाने की दिनांक पूर्व में 25 जुलाई 2024 तक निर्धारित की गई थी। उक्त तिथि को बढ़ाकर 10 अगस्त 2024 (बिना विलम्ब शुल्क के) की जाती है। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार दिनांक 10 अगस्त 2024 तक तथा भरे गए आवेदन पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2024 निर्धारित की गई है।

अच्छी बारिश : महाउज्जैयिनी आह्वान से जुड़े शहरवासियों ने माना सभी का आभार

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सामूहिक रूप से की गई प्रार्थना ओर महा उज्जैनी का प्रभाव कितना होता है यह मान्यता एक बार फिर सिद्ध हुई है भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में। वर्षा के आव्हान के लिए नगर वासी जब सामूहिक रूप से एक जुट हुए महा उज्जैनी मनाई, सर्व धर्म प्रार्थना रैली निकाली सभी धर्मस्थलों पर प्रार्थना,इबादत अरदास ओर प्रेयर की तो उसका सुपरिणाम सबके सामने है। प्रभु ने हम सब की सुनी और शुक्रवार की शाम व रात से रिमझिम का जो दौर शुरू हुआ वह शनिवार को दिन भर चलता रहा। नगर में सावन सार्थक हो गया। सभी की जुबान पर यही बात हे कि नगर में महा उज्जैनी और सामूहिक प्रार्थना के बाद भगवान ने कृपा कर दी और जैसा हम चाहते थे जो हमने प्रभु से मांगा कि वर्षा रूपी कृपा करो ओर कृपा बरसने लगी।

महा उज्जैनी, सर्व धर्म प्रार्थना रैली ओर नगर बंद के आव्हान के इस प्रयोजन में प्रमुखता से जुड़े–सर्व श्री नरेन्द्र अग्रवाल,ब्रजेश जोशी,गुरुचरण बग्गा,कन्हैयालाल सोनगरा, अभय डोसी,हिम्मत डांगी,शरद धींग , पुष्पेंद्र भावसार, रत्नेश कुदार,संजय तरवेचा, उमेश पारिख,राजेश गुजर,पं. दिलिप शर्मा, पं.अरुण शर्मा,रमेशचंद्र चंदे,प्रद्युम्न शर्मा आदि ने पूज्य संतों, धर्म प्रमुखों, मीडिया के साथियों ,समस्त नगर वासियों , नगर पालिका, पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है जिनने इस बड़े आयोजन में सम्मिलित हो कर प्रबंधन में सहयोग दिया। भगवान से यही प्रार्थना है कि ऐसी ही कृपा बरसाते रहना।

आज निकलेगी भव्य ध्वजा यात्रा, नालछा माता को होगी अर्पित

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सभी की खुशहाली व अच्छी बारिश की

कामना को लेकर जंगली बालाजी भक्त मंडल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अंबेडकर चौराहा स्थित पिपलेश्वर महादेव से एक भव्य ध्वजा यात्रा आज 28 जुलाई रविवार को प्रात: 9 बजे निकली जावेगी जो की अंबेडकर चौराहा स्थित पिपलेश्वर महादेव से प्रारंभ होकर बस स्टेंड, घंटाघर, मंडीगेट, वीर सावरकर पुलिया, पशुपतिनाथ मंदिर होते हुए मां नालछा रानी के दरबार पहुंचेगी जहां धूमधाम से पूजा अर्चना कर माता रानी को ध्वजा अर्पित की जावेगी। जंगली बालाजी भक्त मंडल के संरक्षक गोविंद नागदा, रूपलाल खींची, भगवती प्रसाद सुहाना, अध्यक्ष अनिल सुराह, सचिव महेंद्र सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष कपिल सोलंकी, विनय दुबेला, राजाराम तंवर, राकेश भटोदरा, संजय पटेल मोरबी टाइल्स आदि समिति के सभी सदस्यों ने ध्वजा यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया।

अजाक्स मंदसौर द्वारा आज दिया जाएगा ज्ञापन

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रांतीय निर्देशानुसार मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ (अजाक्स) जिला मंदसौर की ब्लॉक इकाइयां- मंदसौर, मल्हारगढ ,सीतामऊ,गरोठ द्वारा विगत कई वर्षों सें लंबित मांगों को लेकर दिनांक 28 जुलाई 2024 रविवार को माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए ब्लॉक मुख्यालय पर ज्ञापन दिया जायेगा। सदस्यों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला सचिव मनोज कुमार धानिया द्वारा दी गई।

मंदसौर में कारगिल पार्क बनाने के लिये नपाध्यक्ष को ज्ञापन देकर स्थान आवंटित करने की मांग की

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर की तहसील मंदसौर, मल्हारगढ़, सीतामऊ, दलोदा, गरोठ, सुवासरा, भानपुरा व्यावसायिक नगर नाहरगढ़ के सभी पदाधिकारी एवं पूर्व सैनिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में मनाया कारगिल दिवस इस वर्ष 25 वा कारगिल विजय दिवस मनाया गया सभी तहसीलों ने नगर के जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया सभी ने बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

जिले का कार्यक्रम संगठन के मार्गदर्शक श्रवण कुमार त्रिपाठी एवं संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर के तत्वाधान में स्थानीय गांधी चौराहा पर मनाया गया व कारगिल विजय दिवस पर बलिदानों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। इस अवसर पर नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया, एवं समाजसेवी विनय दुबेला भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और कारगिल में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सभी वक्ताओं ने अपना उद्बोधन देते हुए बलिदानों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर की इकाई ने मंदसौर शहर में विजय दिवस एवं अन्य कार्यक्रम के लिए कारगिल पार्क के लिए स्थान आवंटित करने की मांग रखते हुए मंदसौर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगठन के सभी पूर्व सैनिक एवं शहर वासी उपस्थित रहे। देश भक्ति के नारों के साथ बलिदानों को श्रद्धासुमन अर्पित कर भारत माता की जय के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

बरसो झमझम

नील गगन में उड़ते उड़ते
दशपुर उप्पर यों विचरते
जन-जन प्यासे कंठ तकते
हे मेघ बरसों यहां जमके।
कूप बावडी नद सरोवर
अंखियां तकते मांगे झरझर
मत करो हताश पयोधर
तर कर दो अवनी अंबर।
सावन में नव यौवन तरसे
कब फुहार में सांसे हुलसे
तरु डाल पर झूले रीते
करें मनुहार जलद रस बरसे
मत रूठो यों वारिद हमसे
करें पर्जन्य हम सब मिलके
न तरु से अब घात करेंगे
कर जोड़ें बरसो झमझम।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

एकता कॉलोनी में नशामुक्ति जागरूकता अभियान

नीमच, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत

कलेक्टर श्री दिनेश जैन एंव जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस नशा मुक्ति केंद्र द्वारा शुक्रवार को नीमच नगर के एकता कालोनी में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशाग्रस्त व्यक्तियों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया। नशा मुक्ति से संबंधित पेंपलेट बांटे। कार्यक्रम में नशा मुक्ति केंद्र के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री सुनील तिवारी मनोवैज्ञानिक श्री जीवन तिवारी उपस्थित थे।

पीएचई ने जल स्त्रोतों पर किया क्लोरीनेशन

मनासा, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड मनासा द्वारा समस्त पेयजल स्त्रोत जैसे हैंडपंप कुए,बावडिया जहां से आमजन पानी पीते है सभी जगह झक्र विभाग द्वारा क्लोरीनेशन कर बरसात में पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु दवाई डाली जा रही है I वि शिव प्रसाद व्यास ने बताया कि पेयजल स्त्रोतों में दवाई डालने से पानी साफ रहेगा और बेक्टेरिया,बारिश में पनपने वाले मच्छर जिससे आमजन बीमार हो सकते है उनकी सुरक्षा की जा सकेगी। इस टीम में उपयंत्री गौतम चंद हैंडपंप तकनीशियन ,नाथूलाल शोकरिया , कृष्ण चंद गोड़ , वैभव राज मालवीय , हेमंत गोड़ , उमेश पंवार , सुनील बैरागी , कैलाश जाटव शामिल है।

दिनांक 28 जुलाई 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे- ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

✻आदर्श वास्तु नियम के अनुसार मकान में सीढ़ी हमेशा घड़ी की दिशा मे घूमते हुए अर्थात दक्षिण-पश्चिम-उत्तर-पूर्व इस क्रम में होनी चाहिए, सीढ़ियों की दिशा अनुचित होने से गृह स्वामी का विकास रुक जाता है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्रीमती सुखीबाई पति प्रेमचंद जी जाति धाकड़, निवासी ग्राम नयागांव, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 15, ग्राम नयागांव, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 921/1 रकबा 0.313 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 913 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 922 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 920 की भूमि, पश्चिम में - सर्वे क्रमांक 921/2 की भूमि एवं सर्वे क्रमांक 925/2 रकबा 0.350 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 924 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 925/1 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 928 की भूमि, पश्चिम् में - सर्वे क्रमांक 926 की भूमि स्थित हैं को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 27.07.2024

भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री भारतसिंह पिता चुन्नीलाल जी जाति अहीर, निवासी ग्राम ग्वालटोली, नीमच, जिला नीमच के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 19, ग्राम मोरका, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 43/1 रकबा 0.400 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 34 व 37 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 43/2 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 39 की भूमि, पश्चिम् में - सर्वे क्रमांक 44 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभाव शून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 27.07.2024

भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर बदलेंगी जिलों की सीमाएं, प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग जल्द बनेगा

भोपाल, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर विकास खंड, तहसील और जिलों की सीमाएं निर्धारित की जाएंगी। इसके लिए राज्य सरकार जल्द ही प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग गठित करने जा रही है। यह आयोग भौगोलिक आधार पर जिले की सीमाओं का निर्धारण करेगा।

इसका आशय यह हुआ कि बुधनी तहसील का जिला मुख्यालय सीहोर भौगोलिक आधार पर क्या सही है, यदि नहीं तो इसे नजदीकी जिला नर्मदापुरम से जोड़ा जाएगा। इस तरह की विसंगतियां जिन जिलों में हैं, उन सभी जिलों में आयोग राजस्व, वन, नगरीय निकाय और पंचायत विभाग के समन्वय से प्रदेश की समस्त सीमाओं का अध्ययन कर रिपोर्ट बनाएगा।

जिलों की सीमा बदलने की कार्यवाही होगी–आयोग के अध्ययन के बाद प्रदेश में जिलों की सीमा बदलने की कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि राजनीतिक कारणों से कई जिलों के गठन से सीमाओं की कई गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। सरकार ने बिना जिला पुनर्गठन आयोग के जिले बना दिए, इस कारण भी कई जगह विसंगतियां आ गई हैं।

सीमाओं का अध्ययन कर बनाएंगे रिपोर्ट–मध्य प्रदेश में संभागों एवं जिलों की सीमाएं बदलने के लिए आयोग गठित किया जाएगा। यह आयोग राजस्व, वन, नगरीय विकास एवं आवास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समन्वय से प्रदेश की समस्त सीमाओं का अध्ययन कर रिपोर्ट बनाएगा। आयोग के अध्ययन के बाद प्रदेश में संभागों एवं जिलों की सीमा बदलने की कार्यवाही की जाएगी। इस आयोग के गठन के लिए मुख्य सचिव वीरा राणा के स्तर पर कार्यवाही चल रही है। राज्य सरकार के अनुसार लोकहित एवं जनसुविधा को ध्यान में रखकर संभाग, जिला, तहसील एवं जनपद आदि की सीमाओं के युक्तियुक्तकरण करने की कार्यवाही के लिए यह निर्णय लिया गया है।

नए जिलों की सीमाएं प्रभावित होंगी–जल्द ही इस आयोग के गठन एवं इसके अध्यक्ष की अधिसूचना जारी की जाएगी। सीमाओं को बदलने की प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी विचार विमर्श किया जाएगा। संभाग, जिला, तहसील एवं जनपद आदि की सीमाओं के बदलने से शिवराज सरकार में गठित नए जिलों की सीमाएं भी प्रभावित होंगी।

नागदा को जिला बनाने की घोषणा हुई थी–तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में सतना जिले से अलग कर मैहर, छिंदवाड़ा जिले को विगठित कर पांढुर्णा और रीवा जिले को विगठित कर मऊगंज जिला बनाया गया है। निवाड़ी को पहले ही सरकार जिला बना चुकी है। हालांकि नागदा जिले की घोषणा कर दी गई, लेकिन जिला नहीं बनाया जा सका। अब जुन्नारदेव को भी जिला बनाने के विकल्प पर कार्यवाही चल रही है। आयोग इन जिलों की सीमाओं का भी अध्ययन कराएगा।

राज्यसभा सांसद ने नपाध्यक्ष के साथ किया पंप हाउस का अवलोकन

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दो दिन पहले हुई बारिश से धानमंडी क्षेत्र की दुकानों में पानी भर गया था जबकी हाल ही में नगर पालिका ने अत्याधुनिक पंप हाउस बनाया है इसके बाद यह पहली बारिश थी बावजूद इसके पंप हाउस धानमंडी का पानी नहीं निकाल पाया जिसके बाद शनिवार को रिमझिम बारिश के बीच राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर के साथ धानमंडी पंप हाउस का अवलोकन किया इस दौरान एक व्यक्ति पंप हाउस में कचरा डालते दिखाई दिया जिसका तत्काल पंचनामा बनाने के आदेश नपाध्यक्ष ने दिए। इसके साथ ही पंप हाउस तक पानी पहुंचने में बाधा बन रहे कचरे को भी साफ करवाया ताकी अब धानमंडी में जलभराव की समस्य नहीं आए।

मछलियों को पकड़ने जान जोखिम में डाली

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बारिश से पूल पुलियाओं के ऊपर तक पानी बह रहा है। तस्वीर गरोठ के बोलिया गांव के निकट कंठाली नदी पर बनी पुलिया की है जहां बड़ी संख्या में लोग जान जोखिम में डालकर मछलियां पकड़ते हुए देखे गए। दरअसल, नदी में अचानक बहाव तेज हुआ इससे पूल पर पानी बह निकला इस पानी में मछलियां देख ग्रामीणों की भीड़ लग गई। जिसे जो मिला उसमें मछलियां पकड़ने लगे। सूचना पर पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया।

पुलिस ने की मुख्य मार्गो से ही जाने की अपील–लगातार वर्षा के चलते शामगढ़ व उसके आसपास के क्षेत्रों के सभी नदी-नाले उफान पर है जिसके कारण पुलिस ने आवागमन के लिए मुख्य मार्गो का ही उपयोग करने की अपील की। पुलिस ने कहा कि वर्तमान में शामगढ़ से गरोठ जाने के लिए मेलखेड़ा वाले मार्ग का प्रयोग करें तथा सगोरिया जाने के लिए मेलखेड़ा गरोठ रोड का प्रयोग करे। .शामगढ़ से सीतामऊ व मंदसौर जाने के लिए सुवासरा सीतामऊमार्ग का प्रयोग करें। शामगढ़ से छायन टकरावद जाने के लिए मेलखेड़ा बरडिया पुना वाले मार्ग का प्रयोग करें। शामगढ़ से बनी कुरावन जाने के लिए मेलखेड़ा से पिछला हरिपुरा वाले मार्ग का प्रयोग करें।

सेना को युवा बनाने की महत्वपूर्ण योजना है अग्निपथ

अग्निवीर जवानों को पुलिस और सशस्त्र बलों में भर्ती में देंगे आरक्षण-मुख्यमंत्री

नीमच, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पुलिस और सशस्त्र बलों की भर्ती में अग्निवीर जवानों को आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लद्दाख में अपने संबोधन में भारतीय सेना में अग्निवीर जवानों की विशिष्ट भूमिका पर बल दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निश्चित ही अग्निपथ योजना देश की ताकत बढ़ाने के साथ ही सामर्थ्यवान युवाओं को सेना से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। यह रक्षा क्षेत्र की पहली प्राथमिकता और डिफेंस रिफार्म्स का अहम कदम है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुसार प्रदेश में अग्निवीर जवानों के लिये आरक्षण के प्रावधान का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अग्निवीर जवान की योजना अग्निपथ सच्चे अर्थों में सेना के आधुनिकीकरण के साथ योग्य सैनिकों की भर्ती के अलावा वैश्विक स्तर पर सेना को युवा बनाने की योजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जो संकल्प लिया है उसका पूर्णत: अनुसरण करते हुए, उनकी भावना के अनुसार मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों को कारगिल विजय दिवस की बधाई भी दी।

गांधी सागर के सहायक वनरक्षक होगे सम्मानीत

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वर्ल्ड टाइगर डे पर 785 बाघों के साथ मध्यप्रदेश बाघ टाइगर डे मनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी के कुशाभाऊठाकरे कन्वेंशन सेंटर में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में टाइगर डे के मौके पर वन विभाग के हित में कोई नया ऐलान कर सकते हैं। इसको लेकर वन विभाग के अफसरों के साथ मंथन भी हो रहा है। वन और पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत और वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार भी इस दौरान फारेस्ट अफसरों के साथ मौजूद रहेंगे। टाइगर डे पर होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन एमपी टाइगर फाउंडेशन समिति द्वारा किया जा रहा है जिसमें टाइगर रिजर्व के सभी क्षेत्र संचालक मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही टाइगर रिजर्व एरिया में भी कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अच्छा काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान भी किया जाएगा। इसके लिए सात कैटेगरी में 19 शासकीय सेवकों का चयन किया गया है। इसमें वनमंडल मंदसौर के सहायक वन संरक्षक गांधीसागर अभ्यारण्य राजेश मंडावलिया भी शामिल है।

पुलिस के निशाने पर रहे गौ तस्कर

जिला बदर से लेकर एनएसए तक की कार्रवाई, सैकड़ों गौवंशों की जिंदगी बचा चुकी खाकी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस के निशाने पर गौ तस्कर है। यहीं कारण है कि काफी हद तक गौ तस्करी पर लगाम लग सकी है। पहले मंदसौर के कुछ क्षेत्र गौ तस्करी के लिए जाने जाते थे। इन क्षेत्रों में रह रहे गौ तस्करों को पुलिस ने टॉरगेट किया। जिला बदर से लेकर रासुका तक की कार्रवाई की बात करें तो करीब एक हजार गौवंशों की जिंदगी मंदसौर पुलिस बचा चुकी है।

दो साल की कार्रवाई कर रही बता रही पुलिस की सक्रियता–मंदसौर पुलिस ने 2 सालों में अपराधियों से 1 हजार से ज्यादा गोवंश की जिंदगी बचाई। तस्करों के चंगुल से मुक्त करवाने के बाद ये गाय, बैल, केडे गोशाला में भेजे गए। इसी अवधि में गोवंश तस्करों से 2 करोड रुपए की संपत्ति भी जब्ती में ली। सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया। जिले में दशकों से एक्टिव रहे 108 गोतस्कर चिह्नित कर 75 के नाम गुंडा लिस्ट में दर्ज किए। 38 के खिलाफ जिलाबदर कार्रवाई की। 5 के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की गई जबकि 95 गोतस्करों के खिलाफ बाउंड ओवर का एक्शन लिया जा रहा है।

इस तरह से की प्लानींग, रहे सफल–जिला प्रांतीय राजमार्ग पर स्थित होने से गोवंश की तस्करी में लंबे समय से सुर्खियों में रहा है जिले में खासकर ग्राम मुल्तानपुरा व बोतलगंज से कुछ लोग गोवंश तस्करी में संलिप्त रहे हैं। विषय की गंभीरता को देख मंदसौर एसपी अनुराग सुजानिया ने एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी समेत एसडीओपी व थाना टीआई की मीटिंग लेकर अपराधियों पर नकेल का प्लान बनाया। अमल करते हुए पुलिस ने गोवंश परिवहन के 3 रूटों को चिह्नित कर 116 सीसीटीवी कैमरे लगवाए। इनसे धरपकड में मदद मिल रही है। पकडाए तस्करों द्वारा अर्जित की संपत्ति, मकान जब्ती के अलावा सरकारी जमीन का अतिक्रमण हटाया गया। गंभीर मामलों में जो लोग आदतन अपराधी हैं, ऐसे 5 मामलों में उनके जमानत निरस्ती के लिए मंदसौर पुलिस ने कोर्ट में प्रतिवेदन भिजवाए हैं।

115 एफआईआर, 87 वाहन राजसात हुए–जिले में 2 सालों के दौरान गायों की तस्करी जैसे मामलों में 115 एफआईआर दर्ज हुई है। इस दौरान 87 केस में जिला दंडाधिकारी द्वारा वाहनों के राजसात के अंतिम आदेश जारी किए गए। उनमें 50 फोर-कीलर वाहनों के नीलामी की कार्यवाई प्रचलन में है। जल्द ही ये प्रक्रिया होगी।

यहां लगाए सीसीटीवी कैमरे-✲ रूट नंबर 1: मल्हारगढ, पिपलियामंडी, मंदसौर बायपास, दलौदा बायपास। ✲ रूट नंबर 2: मनासा जिला नीमच झार्डा मार्ग, नारायणगढ, पिपलियामंडी, मंदसौर-दलौदा बायपास। ✲ रूट नंबर 3: कोटा भवानीमंडी- झालावाड, भानपुरा-नीमुच 8 लेन, सीतामऊ8 लेन, धांदला 8 लेन।

एक महीने पहले गायब हुई नाबालिग को...

पुलिस ने ढूंढ निकाला, तीन आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एक महीने पहले गायब हुई नाबालिग को पुलिस ने गुजराज के वडोदरा से ढूंढ निकाला और परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस ने इस मामलें में दो युवकों तथा एक महिला को भी हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि 30 जून को फरियादिया रेखाबाई पति दिनेश आर्य निवासी झोपडपट्टी पिपलियामंडी ने अपनी नाबालिग लडकी के घर से बिना बताये कही चली जाने की थाना पिपलियामंडी पर रिपोर्ट की थी जिस पर थाना पिपलियामंडी पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 155/2024 धारा 363 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। पुलिस ने नाबालिग की तलाश के लिए विशेष टीम गठीत कर बालिका तलाश शुरू की, इस दौरान आधा दर्जन से अधिक संदेहियो से पुछताछ की गई परन्तु अपता बालिका की कोई जानकारी नही मिल पाई। इसी दोरान पुलिस की सायबर सेल को बालिका के गुजरात में होने की जानकारी मिली जिसके आधार पर पुलिस ने बालिका के गुजरात के बडोदरा से दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने बालिका को लेकर गऐ महेन्द्र उर्फ गोलु पिता पर्वतसिंह राजपुत निवासी झोपडपट्टी पिपलियामंडी, मनाहेम उर्फ मनीष पिता योहान क्रिश्चियन निवासी बडोदरा गुजरात तथा अपराध में संलिप्त एक महिला आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

राहत: महीने में दो दिन निजी केंद्र में फ्री सोनोग्राफी करा सकेंगी गर्भवती

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर ही नहीं, बल्कि प्रदेश में कई जगहों पर सरकारी अस्पतालों में सोनोग्राफी सेंटर पर आ रही समस्या के कारण गर्भवती महिलाओं को खासी दिक्कतें का सामना करना पड रहा है। हालांकि अब राहत भरी खबर है। प्रदेश में गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी (अल्ट्रासाउंड) के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज का चक्कर नहीं लगाना होगा। वह प्राइवेट सेंटरों पर जाकर मुफ्त में सोनोग्राफी करा सकती हैं। भुगतान सरकार करेगी।निजी केंद्रों पर जांच कराने वाली महिलाओं को ई-रुपी बारकोड दिया जाएगा। इसे स्कैन करने के बाद केंद्र संचालक के खाते में पैसा ट्रांसफर हो जाएगा। 29 जुलाई को काटजू अस्पताल में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरुआत होगी। हर महीने 9 व 25 तारीख को यह सुविधा फ्री में मिलेगी। 9 अगस्त से प्रदेश के सभी जिलों में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इसके बाद हर दिन यह सुविधा मिलेगी।

योजना कैसे काम करेगी?–गर्भवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नाम व फोन नंबर बताना होगा। इसके बाद सीएचसी में ई-वाउचर जनरेट होगा। जांच से पहले मोबाइल पर ओटीपी आएगा। सत्यापन के बाद संचालक अल्ट्रासाउंड कर पाएंगेमहिलाओंको ई-रुपी बारकोड दिया जाएगा। यह वाउचर एक क्यूआर कोड है। इसे स्कैन करते ही पैसे संचालक को 500 रुपए ट्रांसफर होंगे।

विशेष भर्ती अभियान के तहत 31 तक करें आवेदन

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंदसौर द्वारा बताया गया कि कार्यालय में पशुपालन स्थापना अंतर्गत नि:शक्तजनों के आरक्षित पदों को वॉक-इन-इन्टरव्यु के माध्यम से पूर्ति की जाना है। जिसके कार्यालय में 31 जुलाई 2024 तक कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी स्टेशन रोड मंदसौर में कार्यालय समय में उपस्थित होकर या रजिस्टर्ड डाक द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवेदक 2 अगस्त 2024 को प्रात: 11 बजे कार्यालय में शैक्षणिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र, नि:शक्तता का प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र एवं मूल प्रमाण पत्रों के साथ वॉक-इन-इन्टरव्यु के लिये उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी के लिये पशुपालन एवं डेयरी विभाग में सम्पर्क कर सकते है।

महाउज्जैयिनी सफल:अनवरत... पेज 1 से जारी

निकाली। सामूहिक रूप से पानी के लिए प्रार्थना की गई। जिसका असर देखने को मिला। सावन में वास्तविक रूप से मानसून की शुरुआत हुई। जिले में कई जगहों पर बारिश हुई। मंदसौर में बूंदाबांदी तो कभी तेज बारिश के रूप में बारिश का दौर दिनभर चलता रहा। कई जगहों पर पुलिया से पानी बह रहा था। जिसके कारण रास्ते बंद हो गए। शामगढ़ में बनी कुरावन मार्ग की पुलिया से पानी बहता रहा। लोग जोखिम उठाकर पुलिया को क्रास करते नजर आए। सुवासरा में प्रवेश करने वाले मार्ग रेलवे नाले में पानी भर गया। जिससे बसों ने सुवासरा में इंट्री रेलवे फाटक से की। देथली बुजुर्ग और मेलखेडा रोड स्थित पुलिया पर पानी जमा हो गया। जिससे दो घंटे तक यातायात बंद रहा। शामगढ में कुरावन रोड पर बनी देवरी पुलिया बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई। शामगढ से सगोरिया होकर गरोठ जाने वाले रोड पर स्थित पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा था। जिससे आवागमन बंद हो गया।

पिछले वर्ष के मुकाबले तीन इंच कम हुई है बारिश–शनिवार सुबह तक की बात करें तो दो दिनों में सवा 2 इंच बारिश दर्ज की गई है। जिले की औसत बारिश का आंकड़ा 276 एमएम यानी 11 इंच हो गया है। हालांकि यह पिछले वर्ष के मुकाबले 3 इंच कम है। हालांकि शनिवार को दिनभर बारिश हुई। जिससे इस बार बारिश का आंकड़ा कहीं न कहीं पिछले साल के आंकड़े तक पहुंच गया। जिले में अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम 24 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ लाइन प्रदेश के कुछ जिलों से होकर गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी लो प्रेशर एरिया में बदल गया है। इस वजह से प्रदेश में तेज आंधी-बारिश का असर है।वहीं सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश में मानसून की गतिविधियां कम होंगी। लेकिन 28 जुलाई से फिर से तेज बारिश शुरू होगी। 29 और 30 जुलाई को उत्तरी हिस्से में तेज बारिश होने का अनुमान है।

शनिवार सुबह 8 बजे तक जिले में कहां-कितनी बारिश–सीजन में अब तक जिले के मंदसौर में 168 एमएम, सीतामऊमें 261 एमएम, सुवासरा में 339 एमएम, गरोठ में 330 एमएम, भानपुरा में 313 एमएम, मल्हारगढ़ में 174 एमएम, धुंधड़का में 229 एमएम, शामगढ़ 416 में एमएम, संजीत में 315 एमएम, कयामपुर में 248 एमएम, भावगढ़ 238 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है।

कथित नारकोटिक्स अधिकारी पर... पेज 1 से जारी

माध्यम दिलवाए। बाकी 5 लाख 60 हजार रुपए आठ माह बीतने के बाद भी नही दिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस फर्जीवाड़े में पिपलियामंडी के पुलिस वाले भी शामिल है। संजयसिंह चुण्डावत के साथ जो गनमेन है, उसका नाम अजय है और वह पुलिस वाले का भाई बताया जा है। राजू गुर्जर ने बताया ऐसे और भी लोग पीड़ित हैं, जिनसे अफीम पट्टा दिलाने के नाम पर रुपए लिए गए है, इसकी शिकायत निकुंभ व छोटी सादड़ी थाने पर भी की है।

मैंने रुपए नही लिए, राजनीति छवि धूमिल कर रहे लोग–इधर संजयसिंह चुण्डावत का कहना है मेरे उपर लगाए आरोप गलत है, मेरी कोई गलती नही है, मेरे खाते में कोई राशि नहीं आई है, न ही मैंने रुपए लिए है, ना ही जो लोग आरोप लगाने वाले मुझसे मिले है। मेरी राजनैतिक छवि खराब करना चाहते है कुछ लोग। मैं मानहानि का दावा करुंगा।

जांच की जाएगी:– टीआई नीरज सारवान का कहना है आठ माह पुराना मामला है, आवेदन आया है, निकुंभ के व्यक्ति ने मीनाक्षी होटल पर मुलाकात की बात कही है, तो होटल के सीसीटीवी चेक कराए जाएंगे व मामले की जांच कराई जाएगी।

भगवान पशुपतिनाथ मनोकामना अभिषेक नि:शुल्क होना चाहिए

सामग्री सहयोग राशि मात्र 100 रू. होना चाहिये, नगर के धर्मालुजनों ने मंदिर समिति से की अपील

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हजारों अभिषेकार्थियो की सहभागिता से जिस मनोकामना अभिषेक में भगवान पशुपतिनाथ की महिमा को सम्पूर्ण भारत में उंचाइयों पर पहुंचाया। आज 27 जुलाई को अभिषेकार्थियों की संख्या नगण्य रही है जो चिंता का सोचनीय गंभीर विषय है।

नेपाल के बाद केवल मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ की विशाल अष्टमुखी प्रतिमा के कारण विश्वव्यापी होने तथा साथ ही दशपुर को शिवालयों में जो प्रतिष्ठा मिली उसको और आगे बढ़ाने में सन् 2009 में तत्कालीन कलेक्टर श्री जी.के. सारस्वत जी के अभिनव प्रयास से एक साथ हजारों अभिषेकार्थियों ने समूह में तीन-तीन पारियों में अभिषेक करके सम्पूर्ण भारत में मंदसौर नगर को एक शिव तीर्थ नगरी के रूप में स्थापित कर गौरव व अभूतपूर्व प्रतिष्ठा दिलाई थी। कोरोना से पहले पशुपतिनाथ प्रबंध समिति द्वारा गायत्री परिवार व नगर के सभी सामाजिक संगठनों के सहयोग से जहां सम्पूर्ण सावन मास में देश के कोने कोने से आने वाले दर्शनार्थियों के लिये मनोकामना अभिषेक में सम्मिलित होने के लिये उन्हें एक अपूर्व शांति आनन्द का एहसास कराता था और इससे बढ़कर मनोकामना अभिषेक की प्रतिष्ठा और प्रसिद्धी क्या होगी कि इससे आकर्षित होकर पूर्व माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंहजी चौहान ने अपनी धर्मपत्नी के साथ अभिषेक में बैठकर पूरा समय अभिषेक को सम्मानित व गौरवान्वित किया था। कोरोना के बाद पिछले 3 साल से प्रबंध समिति मनोकामना अभिषेक को यथावत जारी रखे हुए है परन्तु कोरोना से पहले मनोकामना अभिषेक प्रारंभ करने से पूर्व प्रबंध समिति द्वारा नगर के सभी सामाजिक संगठन प्रमुखों की बैठक आहूत कर उनके सुझावों को सम्मिलित किया जाता था। और सम्पूर्ण सावन मास में कार्य की रूपरेखा बनाकर प्रतिदिन क्रम से कौन सा समाज अभिषेक में बैठेगा उसकी सूचना संबंधित समाज को अभिषेक से एक दिन पूर्व दे दी जाती थी। परन्तु विगत दो वर्षों से ऐसा नहीं हो रहा है। समिति के पदेन अध्यक्ष कलेक्टर द्वारा अन्य शासकीय सदस्यों की बैठक कर श्रावण मास में पशुपतिनाथ में आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में बैठक ली गई। इसमें मनोकामना अभिषेक को सम्मिलित किया गया। मनोकामना अभिषेक पशुपतिनाथ संस्कृति पाठशाल के बटूकों द्वारा कराये जाने का निर्णय तो लिया गया परन्तु नगर के सभी सामाजिक संगठन प्रमुखों को न तो बैठक में आहूत किया गया और न ही उनकी पृथक से बैठक लेकर उनके सुझाव व मार्गदर्शन सम्मिलित किये गये। इसका परिणाम यह हुआ कि 22 जुलाई को मनोकामना अभिषेक शुरू हुआ। प्रथम सोमवार होने से बाहर के 10 जोड़े व नगर का 1 जोड़ा अभिषेक में सम्मिलित हुआ। परन्तु दूसरे दिन जहां अभिषेकार्थियों की संख्या अधिक होना थी वहीं दो जोड़ व एक अभिषेकार्थी सम्मिलित हुआ। तीसरे दिन तीन महिला अभिषेकार्थी सम्मिलित हुई। चौथे दिन दो जोड़े सम्मिलित हुए। पांचवे दिन मात्र एक जोड़ा अभिषेक में बैठा और छटवें दिन 27 जुलाई को एक भी अभिषेकार्थी सम्मिलित नहीं होने से अभिषेक की श्रृंखला टूटे नहीं इसलिये एक बटूक को अभिषेक में सम्मिलित किया गया। जहां पशुपतिनाथ पाठशाला के आचार्य पंडित विष्णु ज्ञानी सहित 39 बटूक अभिषेक मंच से वैदिक मंत्रों से सम्पूर्ण विधि विधान से शिव महिमन स्त्रोत से करीब सवा घण्टे तक अभिषेक करा रहे है। परन्तु नीचे आराधना भवन में एक जोड़ा अभिषेक में बैठना अथवा एक भी नहीं बैठना सोचनीय विषय है। इसका कारण प्रथम तो प्रबंध समिति द्वारा सामाजिक संगठनों की बैठक नहीं करना, दूसरा सबसे बड़ा कारण अभिषेक में प्रयुक्त सामग्री के जहां दो वर्ष तक 200 रू. लिये जाते थे अब बढ़ाकर 500 रू. कर दिया जाना ही माना जाएगा। इस संबंध में जिला धार्मिक उत्सव समिति संरक्षक श्री विनोद मेहता, आरएसएस मालवा प्रांत के डॉ. रविन्द्र पाण्डेय, धर्मसेवी बंशीलाल टांक व अन्य श्रद्धालुओं द्वारा प्रबंध समिति से यह अनुरोध किया जा रहा है कि जहां प्रत्येक मास पशुपतिनाथ की खोली जाने वाली दानपेटी से लाखों रूपये प्राप्त होते है। भगवान पशुपतिनाथ के खजाने में कोई कमी तो है नहीं जो अभिषेक का शुल्क 200 रू. से बढ़ाकर 500 रू. कर दिया जाये। इसलिये प्रबंध समिति को यदि मनोकामना अभिषेक की प्रतिष्ठा पूर्ववत बरकरार कायम रखना है तो प्रथम मनोकामना अभिषेक को या तो नि:शुल्क कर देना चाहिये या 100 रू. मनोकामना अभिषेक का शुल्क लेना चाहिये। साथ ही नगर के सभी सामाजिक प्रमुखों की आवश्यक बैठक बुलाकर उनसे परामर्श करना चाहिये और इसके लिये पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया जिनके प्रयास से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंहजी चौहान सपत्निक पूरे समय मनोकामना अभिषेक में विराजित हुए थे और श्री सिसौदियाजी का मनोकामना अभिषेक से प्रारंभ से संबंध रहा है उनको और साथ ही माननीय सांसद श्री सुधीरजी गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलालजी गुर्जर, विधायक विपिनजी जैन व नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवीजी गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी इसमें अवश्य पहल करना चाहिये जिससे मनोकामना अभिषेक में अधिक से अधिक शिवभक्त सम्मिलित हो सके।

पशुपति के दरबार में मिलेंगे नि:शुल्क 51 हजार रुद्राक्ष

संतों की पावन निश्रा में श्री गुण्डेश्वर महादेव व्यायाम शाला एवं टीम एवीएस के तत्वावधान में होगा भव्य आयोजन

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पावन श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में इस वर्ष 51 हजार नि:शुल्क रुद्राक्ष वितरण का भव्य आयोजन किया जाना है। उक्त आयोजन श्री गुण्देश्वर महादेव व्यायाम शाला एवं टीम एवीएस के तत्वावधान में संतों की पावन निश्रा में होने जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अंकित माहेश्वरी, गौरव शर्मा, ललित एम पटेल(पटेल बा) ने बताया कि प्रतिवर्ष श्रावण के तृतीया सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ की शाही पालकी निकलती है। अंतिम सोमवार को बाबा शाही शाही सवारी करते हैं। ऐसे में

द्वितीय सोमवार को भी भगवान श्री पशुपतिनाथ के दरबार में उत्सवों की कड़ी में एक भव्य आयोजन करने की मंशा के साथ इस वर्ष 51 हजार नि:शुल्क रुद्राक्ष वितरण का आयोजन किया जा रहा है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि उक्त 51 हजार रुद्राक्ष नेपाल से बुलवाए गए हैं, जो वैदिक जागृति ज्ञान-विज्ञान पीठ हरिद्वार द्वारा अभिमंत्रित हैं। सोमवार की सुबह 10 बजे भगवान पशुपतिनाथ के विशेष अभिषेक, पूजा-अर्चना के पश्चात श्री द्वारिकाधीश पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री रामेश्वरदासजी महाराज (अध्यक्ष भारतीय गौवंश पर्यावरण संरक्षण समिति, नई दिल्ली), श्री श्री 1008 संत श्री रामकिशोरदासजी महाराज श्री तीन छतरी बालाजी धाम, प्रख्यात भागवत प्रवक्ताद्वय श्री विष्णुप्रसादजी शर्मा(राठाना), श्री दशरथजी शर्मा(भाईजी), मंगलामुखी गुरु माँ अनिता दीदी के पावन सानिध्य में रुद्राक्ष वितरण सहस्त्रेश्वर महादेव मंदिर के समीप श्री पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में प्रारम्भ होगा। आयोजन समिति के मनीष भावसार, कपिल भंडारी, गौरव अग्रवाल, अंकित माहेश्वरी, गौरव शर्मा, ललित एम पटेल(पटेल बा), वर्दीचंद कुमावत, जितेंद्र चौधरी, आशीष पालीवाल, कपिल मावर, योगेश भट्ट, श्याम पांडे, अनूप माहेश्वरी, अनिल शिंदे, सुरेश बैरागी, प्रतीक व्यास, हरीश टेलर, उमेश बेस, कन्हैयालाल सोनगरा, ओमप्रकाश वर्मा, मुकेश भटेवरा आदि ने भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक मात्रा में श्रावण के द्वितीय सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुँचे एवं नि:शुल्क रुद्राक्ष प्राप्त कर समिति को आशीर्वचन प्रदान करें।

आवश्यकता है
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।
वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
रविवार 28 जुलाई को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in